टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम. ए. हिंदी, प्रथम वर्ष (भाग–१)

मई २००९ परीक्षा

विषय : भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र एवं आलोचना (H-103)

दिनांक : २१/५/२००९ **कुलअंक : १००** **समय : प्रात:. १०.०० से दो. १.००**

सूचनाएँ : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न १. अ) भारतीय साहित्य शास्त्र (काव्यशास्त्र) के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए । **(२०)**

अथवा

ब) साधारणीकरण की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसके संबंध में विविध आचार्यों द्वारा प्रतिपादित मतों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न २. अ) रीति की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए रीति के विविध पर्याय एवं गुणों पर प्रकाश डालिए । **(२०)**

अथवा

ब) आचार्य क्षेमेंद्र का औचित्य- विचार स्पष्ट करते हुए औचित्य के भेदों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न ३. अ) अनुकरण सिद्धांत की परिभाषा लिखकर उस के स्वरूप एवं महत्व को स्पष्ट कीजिए । **(२०)**

अथवा

ब) उदात्त सिदधांत के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके अंतरंग एवं बहिर्रंग तत्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ४. अ) यथार्थवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए यथार्थवाद के प्रकारों को रेखांकित कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) अभिव्यंजनावाद की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए, क्रोचे की कलाविषयक धारणा पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(२०)**

१) भरत मुनि का रससूत्र ।

२) ध्वनि और शब्द शक्ति ।

३) बिंब का अर्थ एवं प्रयोग ।

४) संरचनावाद।